श्री. शांतिलालजी मुथ्था
संस्थापक, BJS

BJS ई-बुलेटीन 2020

Edition 12, 16th April 2020

JAINS FOR INDIA
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

संपादक की कलम से

प्रिय स्नेहीजन,

BJS द्वारा चलाये जा रहे रक्त संग्रह व घर द्वार पर मोबाइल van मेडिकल सहायता के चलाये जा रहे अभियान को BJS कार्यकर्ताओं का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है. इस अभियान से जुड़े सभी का हम अभिनंदन करते हैं. इस अभियान को ओर अधिक सघन बनाने व अन्य राज्यों में भी इसे प्रारम्भ करने हेतु कार्यकर्ताओं से अपील करते हैं.

आदरणीय शांतीलालजी मुत्था ने कल बुधवार 15 अप्रेल को BJS Family Summit face book live पर उनके द्वारा पिछले 40 वर्षों में लिए गए निर्णयों व प्रत्येक निर्णय में छिपे रिस्क फैक्टर पर प्रभावी व आकर्षक तरीके से समाजजन से संवाद किया. कल दिनांक 17 अप्रेल के अंक में उनके उदगारों को लिपिबद्ध कर आप सभी के वाचन हेतु प्रकाशित करेंगे.

श्री राजेश जैन, कोलकता ने 12अप्रेल को BJS Family Summit face book live पर FAMILY BUSINESS - SUCCESS SECRETS विषय पर पारिवारिक व्यवसाय, भारतीय बाजार तथा वैश्विक आर्थिक स्थितियों के संदर्भ में में संवाद प्रस्तुत किया व महत्वपूर्ण सलाह दी, जिसे इस अंक में प्रकाशित कर रहे हैं.

निरंजन जुंवा जैन
सदस्य - BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

April 12

BJS FAMILY SUMMIT
Live Face book Series-DAY 12
Family Business - Success Secrets

Sh. Rajesh Jain, Kolkata is family Business Expert for 2 decades.
Author (1) Chain that liberate governance of family.forms (2) Family Business essentials.
He is International Speaker & member of BJS National Executive Council.

आज रविवार है, तो मन में सवाल उठता है, तो?, 20 दिन पहले के Sunday का reaction कुछ अलग था. अब अमेरिका के सुपर पॉवर होने का अर्थ नहीं रह गया. हमें बचपन से टोका जाता था कि प्रतिदिन मंदिर क्यों नहीं जाते? अब कह रहे हैं मत जाओ. पहले बच्चों को घर में रहने के लिए कहा जाता अब तो बच्चे बड़ों को कह रहे हैं कि बाहर मत निकलो. यह किस तरह का विघटन (disruption) है और क्या हम इसे पचा सकेंगे. पिछले कुछ वर्षों में हमने कुछ विघटन देखें हैं जिसमें

(1) आर्थिक विघटन. 2008 में आर्थिक मंदी के कारण पूरा विश्व प्रभावित हुआ और अमेरिका की अर्थव्यवथा चरमरा कर लगभग बिखर गई थी

(2) जैविक (बायोलॉजिकल). बिल गेट्स ने यह घोषणा की थी कि अगला विश्व युद्ध शस्त्रों से नहीं जीवाणुओं से लड़ा जाएगा. कोरोना, एक विश्व युद्ध ही है और

(3) तकनीकी (technological) विघटन. आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस को लेकर अनेक भविष्यवाणियां हुई और भय का माहौल भी बना कि बेरोजगारी बढ़ती चली जायेगी. यह विघटन भी प्रारम्भ हो गया है जिसे हम इस लोकडाउन अवधि में स्पष्ट रूप से महसूस कर रहे हैं. लोगों का कार्यालय की जगह घर से काम करना, कांफरेंस, live concert या public meetings सभी ऑनलाइन प्राररम्भ हो चुकी हैं.

सामाजिक विघटन की प्रक्रिया गतिशील हुई है. कोरोना के कारण गांव, नगर, शहर, राज्य, देश सभी सीमाओं में बंध गए. यहां तक कि परिवार कमरों में बट गए. एक व्यक्ति जो 20 साल पहले कोमा में गया और आज ठीक हुआ तो उसको 20 सालों में हुए परिवर्तन देखने को मिलेंगे किन्तु उतने ही परिवर्तन हमने इन 20 दिनों में देख लिए हैं.

Contd...

BJS Bharatiya Jain Sanghatana
FAMILY SUMMIT
on Facebook LIVE every day
LIVE @ 4:00 - 5:00pm
16th April to 30th April 2020

April Thursday 16
आज दिनांक 16 अप्रेल, 2020 4 से 5 सांय
राजकुमारजी फत्तावत, उदयपूर
विषय : Social work in present scenario
Fb Link : bit.ly/BJSPune

Scan to Join

इस परिवर्तन की प्रकृति भिन्न तरह की है. वैश्विक स्तर पर इसके परिणाम या दुष्प्रभाव समाज, व्यवसाय और अन्य सभी क्षेत्रों में देखने को मिलेंगे. वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमरा जाए इसकी बड़ी संभावनाए है. देश का व्यवसाय कितने समय में गति पकड़ेगा इसका उत्तर भी कोरोना की पूर्ण समाप्ति के पश्चात ही खोजना योग्य रहेगा. हालांकि आगे आने वाली चुनौतियों से लड़ने की तैयारी हमें आज से प्रारम्भ करनी होगी. हमें व्यवसाय, घर और जीवन यापन में खर्च को बड़े स्तर पर घटाना होगा. स्थिरता संबंधी खर्चों के मापदंड बदल जाएंगे. जीवन यापन में दिखावे या वैभव प्रतिको का महत्व पहले जैसा नहीं रहेगा.

पारिवारिक व्यवसाय भारतीय समाज का अभिन्न अंग है. इसकी स्थिर यंत्रणा ही मूलतः समस्या आधारित है. परिवार व व्यवसाय दोनों को यह नया परिवर्तित माहौल विचलित करके रखेगा. कारगील नामक कंपनी प्रत्येक दो वर्ष में विशेषज्ञों को आमंत्रित कर कम्पनी की मान्यताओं (assumptions) का निरीक्षण करने व बदलती हुई ग्राहक की आवश्यकताओं पर सिफारिशें मांगती हैं. हमें भी ग्राहक की प्रकृति और बाजार के बदलवों को चुनौतियों के रूप में ध्यान में लेने की आवश्यकता है. बदलते हुए माहौल में भारतीय पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय में आवश्यक बदलाव करने हेतु practical बनना पडेगा. आधे भरे गिलास का पानी हमें पीना है. पारिवारिक व्यवसाय के एरिया ऑफ कंट्रोल को innovative तरीके से कैसे विस्तृत करें, यही हमारा एजेंडा होना चाहिए. कोरोनो की घटना को एक अवसर के रूप में देखना चाहिए क्योंकि कॉरपोरेट्स नौकरियों में बड़ी संख्या में छटनी की संभावना है . हमारे युवांओं के पास सेफ्टी नेट है. वे घर वापस लौटे तो उन्हें पारिवारिक व्यवसाय में लाने हेतु गंभीरता से विचाना होगा. अब पुराने और पारंपरिक तरीके से व्यवसाय चलाना संभव नहीं होगा. हमारे युवाओं के पास innovative mind है और हमारे पास अनुभव है. हालांकि generation gap की बड़ी समस्या है. लेकिन समस्याएं परंपराओं को लेकर है values को लेकर नहीं. परंपराएं काल व समय के साथ बदलने के लिए ही होती है. पारम्परिक पारिवारिक व्यवसाय को

टिकाना है, विकास करना है तो कॉलोबोरेशन करना पड़ेगा. ऑनलाइन mode पर जाना होगा. भारतीयों की बड़ी कमजोरी टीम आधारित कार्यशैली के स्थान पर अकेले काम करने की है. हम भारतीयों की यह अनुवांशिक समस्या है कि हम बटें रहते है. किन्तु अब छोटे व्यापारी को टिकना अधिक मुश्किल होता चला जाएगा. व्यक्तिगत रूप से हम कितने ही कुशाग्र क्यों न हो कॉलोबोरेशन mode पर जाना ही होगा. इसमें decision making, communication, complete resolution आदि policy बनानी होगी ताकि विवादों को सलटाया जा सके.

पारिवारिक व्यवसाय में risk लेने की क्षमता नहीं होती. मीटिंग्स में खुलकर चर्चा नहीं होती. वास्तविकता यह है कि डिफरेंस ऑफ opinion सदैव healthy होता है. Collective decision लें और एडवाइजरी बोर्ड बनाएं. अनुशासन लाएं. बंधन हमें आज़ाद करते हैं. आप अच्छे घोड़े हैं किन्तु लगाम चाहिए. Diversed thinking की जरूरत हैं. पारिवारिक व्यवसाय को नए business domain में लाकर नई दुनियाँ में जाएं.

क्या न करें

1) आंख मीच कर पूर्व में कर रहे तरीके से व्यवसाय न करे. Survival plan बनाए

2) उधार देने से बचें

3) रोकड़ को पकडकर रखें. आप अनिश्चितताओं के दौर में हैं

नुकसान से कोई कंपनी बंद नहीं होती. Cash flow के कारण बंद होती है. इमोशनल अटैचमेंट छोड़ते हुए इन्वेस्टर की हैसियत से सोचिए कि क्या आप अभिमन्यु तो नहीं बन रहे. कुल कैपिटल के 30% का venture Fund बनाये. technology का disruption हो चुका है अतः अपने विचार बदलिए. फैमिली व्यवसाय में टेक्नोलॉजी को अपनाएं. आपके व्यवसाय में युवाओं को साथ में रखें. Community की feeling लाएं. परिवारजन को व्यवसाय में जोड़ें. प्रैक्टिकल बनें. को-ऑपरेटिव तथा कलेक्टिव coloboration में जाएं. Ego छोड़ें. Risk Management की strategy को लेकर व्यवसाय करें.

To view all videos : **bit.ly/BJSPune**

BJS-Force Motors Mobile Dispensary Seva "Doctor at your doorstep" - Gangapur, Maharashtra